



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 252]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 20, 1977/एच्येष्ठ 30, 1899

No 252]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 20, 1977/JYAISTHA 30 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

### ORDER

New Delhi, the 20th June 1977

**S O 405(E).**—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 375(E) dated the 22nd July, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs. Gluconate Limited, Calcutta, had been taken over by the body of persons referred to in the said Order for a period of two years upto and inclusive of 21st July 1977,

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period of two years upto and inclusive of the 21st July, 1979

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of two years upto and inclusive of the 21st July, 1979

[No F 4/3/75-CUC]

A K CHOSHA, Addl Secy

## उद्योग मंत्रालय

## (औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 20 जून, 1977

का० आ० 405 (अ).—भारत सरकार के उद्योग मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग के आदेश सं० का० आ० 375 (अ) तारीख 22 जुलाई, 1975 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा मेसर्स ग्लूकोनेट लिमिटेड, कलकत्ता, के नाम से ज्ञान औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय द्वारा 21 जुलाई, 1977, तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है दो वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण कर लिया गया था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि व्यक्तियों के निकाय द्वारा 21 जुलाई, 1979 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, दो वर्ष की और अवधि के लिए जारी रहना चाहिए।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 की धारा 19-क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देती है कि उक्त आदेश 21 जुलाई, 1979 से, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, दो वर्ष की और अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

सं० का० 4375-CUC]

अ क धोप, अपर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977